:: संत गुरू घासीदास शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुरूद, जिला धमतरी (छ.ग.) ::

Program Outcome

हिन्दी विभाग

हिन्दी भाषा एवं साहित्य के अध्ययन से छात्र में व्याकरण एवं साहित्य की समझ विकसित हो सकेगी। भाषा पर छात्रों का अधिकार होगा तथा वे साहित्य लेखन की ओर प्रवृत होगे। उनमें मानवीय संवेदना का विकास हो सकेगा। सामाजिक समस्याओं की समझ पैदा होगी तथा उनके भीतर सामाजिक समस्याओं से जूझने की क्षमता विकसित होगी। देश के साहित्यकारों को पाठ्यक्रम के माध्यम से वे जान सकेगे, उनकी समीक्षा कर सकेगे। हिन्दी के अध्ययन के फलस्वरूप वे विभिन्न कार्यालयों में अनुवादक, हिन्दी अधिकारी, भाषा शिक्षक, प्राध्यापक विभिन्न सरकारी एवं अर्द्ध सरकारी कार्यालयों में राजभाषा अधिकारी बन सकेगे तथा हिन्दी को वास्तविक रूप में राजभाषा के रूप में स्थापित करने का प्रयास करेगे। साथ ही वे सभी नौकरियाँ हासिल कर सकेंगे जो अन्य विषय के विद्यार्थी हासिल करते है। इसके साथ– साथ वे अपने देश की संस्कृति परंपरा तथा रीति–रिवाजो से भी परिचित होगे। परपंरा ज्ञान ही हमे आगे की ओर ले जाने का मार्ग प्रशस्त करता है। साहित्य के अध्ययन से ज्ञान का विस्तार होगा एवं लोक रंजन तथा लोकमंगल की कामना विकसित होगी।

:: संत गुरू घासीदास शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुरूद, जिला धमतरी (छ.ग.) ::

हिन्दी विभाग

Program Specific Outcome

हिन्दी भाषा (बी.ए., बी.कॉम, बी.एस.सी.)

(1) भाषा कौशल एवं भाषिक संरचना तैयार करने की दक्षता मिलेगी।
(2) हिन्दी के विविध रूपों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होंगा।
(3) हिन्दी की बोलियों एवं उपबोलियों की समझ पैदा करेगी।
(4) हिन्दी का शब्द भंडार विकसित होगा तथा हिन्दी भाषा का विस्तार क्षेत्र बढेगा।
(5) हिन्दी भाषा का शुद्ध उच्चारण एवं लेखन हो सकेगा।
(6) भाषा एवं संस्कृति से जुडाव पैदा होगा।
(7) सामाजिक सरोकार बढेगा तथा लोग हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करेगे।
(8) भाषा के माध्यम से विभिन्न साहित्यिक विद्याओं से परिचित होगे।
(9) सरकारी कार्यालयों में हिन्दी के प्रयोग को बढावा मिलेगा।
(10) हिन्दी भाषा के वैश्विक विस्तार को बढावा मिलेगा।

हिन्दी साहित्य (स्नातक एवं स्नातकोत्तर)

(1) हिन्दी साहित्य के इतिहास की जानकारी होगी।
(2) विविध गद्य एवं पद्य विद्याओं से परिचित होगे।
(3) भाषा के इतिहास एवं व्याकरण से परिचित हो सकेगे।
(4) कामकाजी हिन्दी की जानकारी होगी।
(5) साहित्य को समझने की आलोचनात्मक क्षमता विकसित होगी।
(6) साहित्य लेखन की दिशा की ओर छात्र अग्रसर होगे।
(7) साहित्य के माध्यम से समाज को समझने में सहायता मिलेगे।
(8) सामजिक मूल्यों एवं संवेदनाओ ंकी समझ पैदा होगी।
(9) हिन्दीतर एवं क्षेत्रीय भाषा/साहित्य की जानकारी होगी।
(10) पत्रकारिता एवं मीडिया के क्षेत्र में समझ पैदा होने से रोजगार के अवसर पैदा होगे।

संत गुरू घासीदास शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुरूद, 493663 जिला धमतरी (छ.ग.)

हिन्दी विभाग
Course Outcome

बी.ए., बी.एस.सी., बी.कॉम. प्रथम वर्ष – आधार पाठ्यक्रम हिन्दी भाषा प्रश्न पत्र – I

उद्देश्यः– (1) भाषा कौशल का विकास करना।

(2) भाषा एवं वाक्यों को शुद्ध करना।

(3) संप्रेषण कला का विकास करना।

(4) अनुवाद कला का महत्व एवं उसका प्रयोग करना।

बी.ए., बी.एस.सी., बी.कॉम. द्वितीय वर्ष – आधार पाठ्यक्रम हिन्दी भाषा प्रश्न पत्र – I

उद्देश्यः– (1) निबंध विधा से अवगत कराना एवं निबंध कौशल सिखना।

(2) कार्यालयीन हिन्दी का ज्ञान प्रदान करना।

(3) हिन्दी व्याकरण का सम्पूर्ण ज्ञान कराना।

(4) हिन्दी भाषा के विभिन्न रूपों से अवगत कराना।

बी.ए., बी.एस.सी., बी.कॉम. तृतीय वर्ष – आधार पाठ्य क्रम हिन्दी भाषा प्रश्न पत्र – I

उद्देश्यः– (1) विभिन्न प्रकार के कार्यालयीन एवं सामाजिक पत्रचारों से अवगत कराना।

(2) हिन्दी की विविध संरचनाओं की जानकारी देना एवं उसका प्रयोग बताना।

(3) देश की ज्वलंत समस्याओं से अवगत कराना।

(4) कविता, निबंध एवं एकांकी विधा से परिचय करना तथा इसका उद्देश्य समझाना।

बी.ए. भाग – 1 हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न – पत्र (प्राचीन हिन्दी काव्य)

उद्देश्यः– (1) प्राचीन भाषा, संस्कृति विचार, मानवता, काव्यतत्व एवं काव्य रूपों से परिचय कराना।

(2) आदि काल, भक्ति काल एवं रीति काल की विशेषताओं को स्पष्ट करते हुये उस काल के कवियों की काव्य कला का परिचय कराना।

(3) काव्य – सौन्दर्य के विकास को प्रदर्शित करना।

(4) पाठ्येतर कवियों से परिचय करना तथा आदि, भक्ति एवं रीति काल में उनके महत्व को प्रतिपादित करना।

द्वितीय प्रश्न पत्र (हिन्दी कथा साहित्य)

उद्देश्यः– (1) हिन्दी कहानी एवं उपन्यासों के उद्भव एवं विकास से परिचय कराना।

(2) उपन्यास – कहानी विद्या के माध्यम से जीवन की अनुभूतियों संवेदनाओं तथा विविध परिस्थितियों से साक्षात्कार कराना।

(3) आधुनिक जीवन के यथार्थ से परिचय कराना।

(4) पाठ्येतर कहानीकारों एवं उपन्यासकारों का परिचय एवं उसके महत्व को बताना।

बी.ए. भाग – 2 हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न–पत्र (अर्वाचीन हिन्दी काव्य)

उद्देश्यः– (1) स्वातंत्रयोत्तर काव्य धाराओं से परिचय कराना।

(2) आधुनिक एवं नई कविता के भाव–सौदर्न्य के माध्यम से युग–यथार्थ को प्रदर्शित करना।

(3) काव्य के भाव, भाषा एवं शिल्प की अर्न्तवस्तु की समझ पैदा करना।

(4) पाठ्येतर कवियों का काव्य–शिल्प स्पष्ट करते हुये उसके महत्व को प्रतिपादित करना।

द्वितीय प्रश्न–पत्र (हिन्दी निबंध तथा अन्य विधायें)

उद्देश्यः– (1) नाटक एवं एकांकी के विकास को समझाना।

(2) प्रमुख नाटककार निबंधकार एवं एकांकी कारों की प्रमुख रचनाओं का अध्ययन एवं उनके महत्व का प्रतिपादन करना।

(3) रंगमंच की समझ एवं अभिनय कौशल का विकास करना।

(4) पाठ्येतर नाटककारों, निबंधकारों एवं एकांकीकारों के महत्व को बताते हुये समाज पर उसके प्रभाव का रेखांकन करना।

बी.ए. भाग – 3 हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न–पत्र (जनपदीय भाषा साहित्य : छत्तीसगढी)

उद्देश्यः– (1) छत्तीसगढी भाषा साहित्य एवं इतिहास को समझाना।

(2) स्थानीय भाषा एवं उसके व्याकरण से परिचय कराना।

(3) छत्तीसगढ की बोलियों पर प्रकाश डालना।

(4) छत्तीसगढी भाषा के कवि एवं गद्यकारों का परिचय देना तथा उनके काव्य का जीवन में महत्व प्रतिपादित करना।

द्वितीय प्रश्न पत्र (हिन्दी भाषा साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन)

उद्देश्यः– (1) हिन्दी भाषा के उद्भव एवं विकास से परिचय कराना।

(2) हिन्दी भाषा के विविध रूपों एवं शब्द भंडारों से परिचय कराना।

(3) हिन्दी साहित्य के इतिहास से परिचय कराना।

(4) विभिन्न काव्य–अंगो को जानकारी प्रदान करना तथा काव्य समीक्षा में उनके महत्व को रेखांकित करना।

संत गुरू घासीदास शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुरूद, 493663 जिला धमतरी (छ.ग.)

Course Outcome

स्नातकोत्तर हिन्दी

प्रथम सेमेस्टर, प्रथम प्रश्न – पत्र (आदिकाल एवं पूर्व मध्यकाल)

उद्देश्यः– (1) आदिकाल एवं मध्यकाल की ऐतिहासिकता बताते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालना।

(2) इतिहास लेखन की परंपरा और समस्याओं से अवगत कराना।

(3) आदिकाल एवं भक्तिकाल के प्रमुख काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना।

(4) आदिकाल एवं भक्तिकाल का मानव जीवन पर प्रभाव स्पष्ट करना।

प्रथम सेमेस्टर, द्वितीय प्रश्न – पत्र (प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

उद्देश्यः– (1) प्राचीन कवियों के काव्य सौन्दर्य का परिचय कराना।

(2) मध्यकालीन कवियों के भाषा एवं काव्य सौष्ठव को बताना।

(3) प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य से संबधित आलोचनात्मक समझ पैदा करना।

(4) पाठ्येतर कवियों के काव्यों का अध्ययन एवं उसके महत्व को रेखांकित करना।

प्रथम सेमेस्टर, तृतीय प्रश्न – पत्र (छायावाद एवं पूर्ववर्ती काव्य)

उद्देश्यः– (1) छायावाद एवं उसके पूर्ववर्ती काव्य आंदोलनों से परिचय कराना।

(2) छायावादी काव्य एवं भाव शिल्प से परिचित करना।

(3) विद्यार्थियों के मन में काव्य सौंदर्य पैदा करना।

(4) पाठ्येतर कवियों का सामान्य परिचय प्रदान करते हुये छायावाद के रहस्यवाद एवं प्रकृति सौन्दर्य से परिचय कराना।

प्रथम सेमेस्टर,चतुर्थ प्रश्न–पत्र (नाटक एकांकी एवं रेखांकित)

उद्देश्यः– (1) नाटक, एकांकी एवं रेखांकित का उद्भव एवं विकास से परिचय कराना।

(2) प्रमुख नाटककारों, एकांकीकारों एवं रेखाचित्रकारों का परिचय एवं उनकी रचनाओं का महत्व बताना।

(3) रंगमंच एवं अभिनय कला का विकास करना।

(4) ऐतिहासिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों का विकास करना।

स्नातकोत्तर हिन्दी – द्वितीय सेमेस्टर

पंचम प्रश्न–पत्र (उत्तर मध्यकाल से आधुनिक काल तक)

उद्देश्यः– (1) उत्तर मध्यकाल एवं आधुनिक काल की काव्य प्रवृतियों एवं उसके इतिहास से परिचय कराना।

(2) हिन्दी काव्यान्दोलनों पर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का प्रभाव रेखांकित करना।

(3) आधुनिक गद्य की प्रमुख विधाओं से परिचय कराना।

(4) आधुनिक गद्य साहित्य की रचनाओं का जीवन पर प्रभाव प्रदर्शित करना।

षष्ठ प्रश्न–पत्र (मध्यकालीन काव्य)

उद्देश्यः– (1) भक्तिकालीन एवं रीतिकालीन कवियों के भाव सौन्दर्य एवं भाषा सौन्दर्य का अध्ययन करना।

(2) भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृतियो एवं उसका जीवन पर प्रभाव रेखांकित करना।

(3) कवियों के माध्यम से अपनी लोक परंपरा एवं लोक संस्कृति से जुडना।

(4) पाठ्येतर कवियों के काव्य शिल्प का अध्ययन करना तथ समग्र रूप से भक्तिकाल एवं रीतिकाल का मूल्यांकन करना।

द्वितीय सेमेस्टर, सप्तम प्रश्न – पत्र (प्रयोगवादी एवं प्रगतिवादी काव्य)

उद्देश्यः– (1) प्रयोगवाद एवं प्रगतिवाद के प्रमुख हस्ताक्षरों का अध्ययन।

(2) समकालीन कवियों के भाव एवं शिल्प की समझ पैदा करना।

(3) छायावादोत्तर काव्य के चिन्तन पक्ष का अध्ययन करना।

(4) पाठ्येतर कवियों की रचनाओं का अध्ययन एवं प्रगति वादी साहित्य व प्रयोगवादी साहित्य के सामाजिक पक्षों का अध्ययन ।

द्वितीय सेमेस्टर, अष्टम प्रश्न – पत्र (आधुनिक गद्य साहित्य उपन्यास निबंध एवं कहानी)

उद्देश्यः– (1) हिन्दी उपन्यास, कहानी एवं निबंध की परंपरा को समझना।

(2) आधुनिक हिन्दी उपन्यास, कहानी एवं निबंध की विशेषताओं को समझना।

(3) हिन्दी उपन्यास, कहानी एवं निबंधों के माध्यम से तात्कालीन समाज की परिस्थितियों का अध्ययन करना।

(4) आधुनिक गद्य लेखन की बारीकियों से परिचित करना।

स्नातकोत्तर हिन्दी

तृतीय सेमेस्टर, प्रथम प्रश्न – पत्र (साहित्य के सिद्धांत तथा आलोचनाशास्त्र)

उद्देश्यः– (1) भारतीय काव्यशास्त्र की समझ पैदा करना।

(2) पाश्चात्य काव्य शास्त्रीय परंपरा से परिचय कराना।

(3) व्यावहारिक समीक्षा का ज्ञान प्रदान करना।

(4) हिन्दी की प्रमुख आलोचनात्मक प्रवृतियों का अध्ययन करना।

तृतीय सेमेस्टर, द्वितीय प्रश्न–पत्र (भाषा विज्ञान)

उद्देश्यः– (1) भाषिक संरचना से अवगत कराना।

(2) हिन्दी भाषा के ऐतिहासिक विकास को समझना।

(3) हिन्दी व्याकरण की समझ विकसित करना।

(4) हिन्दी के शब्द प्रकारों एवं शब्द भण्डारों से परिचय करना।

तृतीय सेमेस्टर, तृतीय प्रश्न–पत्र (कामकाजी हिन्दी एवं पत्रकारिता)

उद्देश्यः– (1) हिन्दी भाषा के विविध रूपों से परिचय कराना।

(2) हिन्दी के क्षेत्र में कम्प्यूटर की उपयोंगिता बताना।

(3) इन्टरनेट एवं साफ्टवेयर का ज्ञान प्रदान करना।

(4) पत्रकारिता एवं प्रकाशन के क्षेत्र में प्रयुक्त बारीकियों को समझाना।

तृतीय सेमेस्टर,चतुर्थ प्रश्न–पत्र (भारतीय साहित्य)

उद्देश्यः– (1) सम्पूर्ण भारतीय साहिन्य के स्वरूप की समझ विकसित करना।

(2) विविध क्षेत्रीय भाषा के साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन करना।

(3) बंगला, कन्नड़ एवं मलयालम साहित्य से विशेष रूप से परिचित कराना।

(4) भारत वर्ष के विभिन्न भाषा के साहित्य का एक दूसरे पर प्रभाव का अध्ययन करना।

स्नातकोत्तर हिन्दी – चतुर्थ सेमेस्टर

चतुर्थ सेमेस्टर पंचम प्रश्न–पत्र (हिन्दी आलोचना तथा समीक्षा शास्त्र)

उद्देश्यः– (1) पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय आलोचना पद्धति का अध्ययन कराना।

(2) आधुनिक भारतीय आलोचना/समीक्षा शास्त्र की अध्ययन कराना।

(3) हिन्दी कवि एवं आचार्यो का काव्य शास्त्रीय चिन्तन बताना।

(4) व्यावहारिक समीक्षा के महत्व को प्रतिपादित करना।

चतुर्थ सेमेस्टर षष्ठ प्रश्न–पत्र (हिन्दी भाषा)

उद्देश्यः– (1) प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक आर्य भाषाओं का परिचय कराना।

(2) हिन्दी का भौगोलिक विस्तार बताना।

(3) हिन्दी के विविध रूपों एवं हिन्दी की संवैधानिक स्थिति का ज्ञान कराना।

(4) हिन्दी में कम्प्यूटर के प्रयोग से हुई सुगमता से परिचित कराना।

चतुर्थ सेमेस्टर सप्तम प्रश्न–पत्र (मीडिया लखन एवं अनुवाद)

उद्देश्यः– (1) मीडिया लेखन की बारीकियों की समझ विकसित करना।

(2) दृश्य–श्रव्य माध्यमों में प्रयुक्त भाषा का ज्ञान देना।

(3) अनुवाद प्रक्रिया की वृहत जानकारी देना एवं उसका महत्व समझाना।

(4) कार्यालयीन एवं प्रशासनिक शब्दावली का ज्ञान देना।

चतुर्थ सेमेस्टर अष्टम प्रश्न–पत्र (जनपदीय भाषा और साहित्य छत्तीसगढी)

उद्देश्यः– (1) छत्तीसगढी भाषा एवं व्याकरण की समझ पैदा करना।

(2) छत्तीसगढी कवियों, नाटककारों एवं उपन्यासकारों का परिचय देते हुये उनकी विशेषताओं को बताना।

(3) लौकिक साहित्य एवं संस्कृति की समझ विकसित करना।

(4) प्रमुख छत्तीसगढी कवि साहित्यकारों का साहित्यिक परिचय प्रदान करना तथा छत्तीसगढी के महत्व को प्रतिपादित करना।